ISBN: 978-93-86906-58-8
IMPRINT: BAHUVACHAN

BIOGRAPHY
₹795 HB

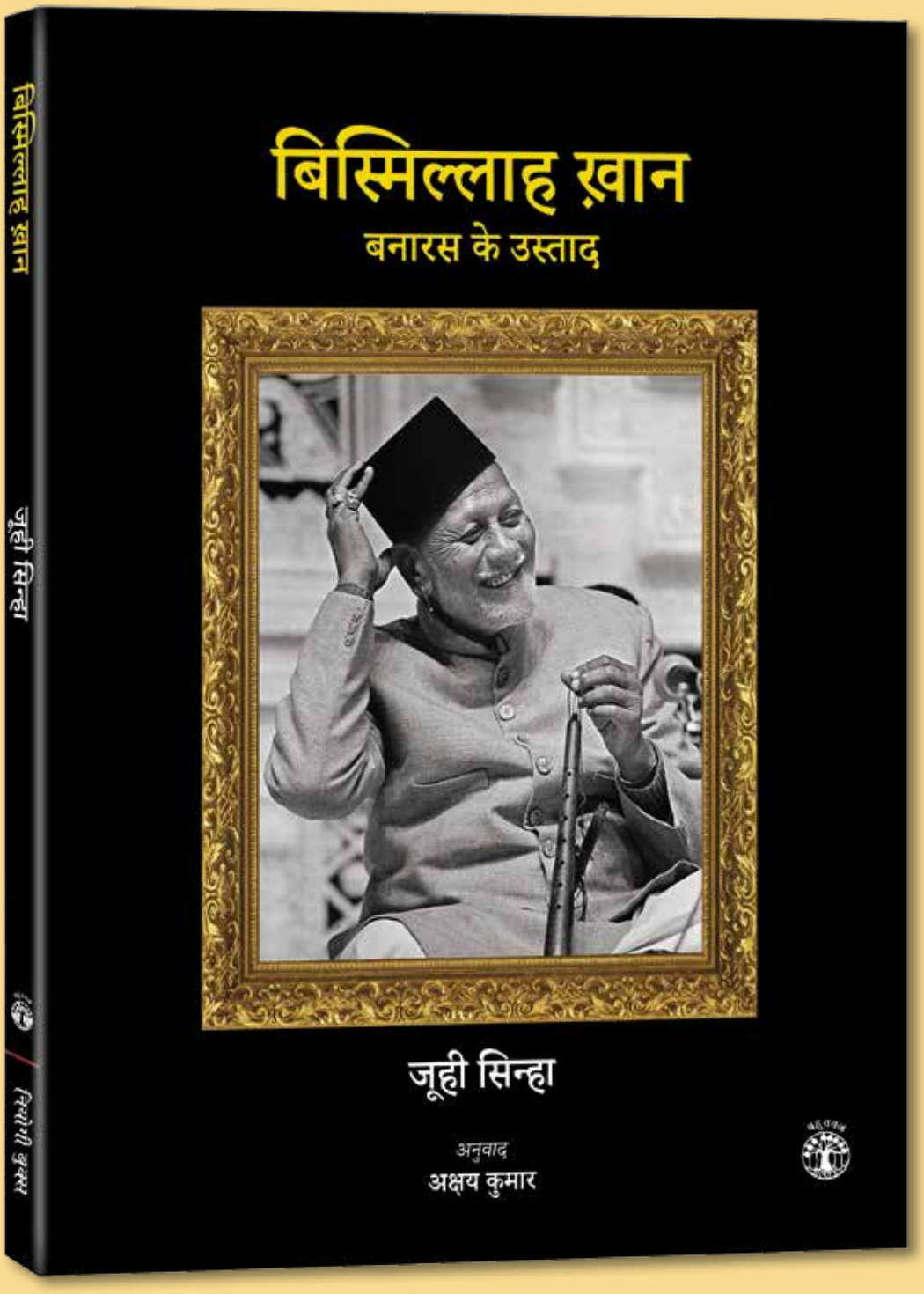

Published by
NIYOGI BOOKS
Fine publishing within reach

NIYOGI BOOKS PRIVATE LIMITED
Block D, Building No. 77, Okhla Industrial Area, Phase-1, New Delhi-110020, INDIA
Phone: 011 26816301, 26818960, Email: niyogibooks@gmail.com, Website: www.niyogibooksindia.com

बिस्मिल्लाह ख़ान

बनारस के उस्ताद

जूही सिन्हा

अनुवाद

अक्षय कुमार

BIOGRAPHY

₹795

ISBN: 978-93-86906-58-8

Size 236mm x 176mm; 136pp

130 gsm art paper (matt)

All colour; 104 photographs

Hardback with dust jacket

'बिस्मिल्लाह ख़ान – बनारस के उस्ताद' वह किताब है, जो पाठकों को भारत के सबसे महान कलाकारों में से एक के दिल और घर-परिवार ही नहीं, उनके ख़याल और मौसीक़ी से भी रू-ब-रू कराती है। यह डुमरांव जैसे छोटे क़स्बे से बनारस और फिर दुनिया तक के सफ़र को बयाँ करती है। यह किताब बिस्मिल्लाह ख़ान के बचपन से लेकर बड़े होने तक, शागिर्द से उस्ताद, शिष्य से दिग्गज बनने तक शुरुआती दिनों में एक कार्यक्रम का मेहनताना पाँच रुपए से हर पेशकश के लिए पाँच से दस लाख रुपए के बीच कुछ भी लेने तक, उनकी पूरी कहानी बताती है।

बिस्मिल्लाह ख़ान की ज़िन्दगी बनारस की सड़कों, गलियों और मुहल्लों, इसके घाटों, मंदिरों, महफ़िल और साज़िन्दों के आसपास घूमती है, जो इसको उनके साथ गुज़रा हुआ एक युग बना देती है। लेखिका ने बखूबी बीसवीं सदी के बनारस में इसके क़िरदार और अंदाज़ को तरोताज़ा कर दिया है। इस किताब के लिए रईस रजवाड़ों, गणिकाओं और कई कलाकारों से बातचीत की गई। बिस्मिल्लाह ख़ान की असाधारण प्रतिभा के लिए बनारसी समाज के रंगीन ताने-बाने को एकदम सही पृष्ठभूमि के रूप में देखा गया। यह किताब बिस्मिल्लाह ख़ान की सनकी मिज़ाज और कमजोरियों को भी उसी ख़ूबसूरती से बताती है– मौसीकी के दिग्गज इस कलाकार का कद उसकी हाज़िरजवाबी, दिल्लगी और करिश्मे को कभी भी छिपा नहीं सकता है।

बिस्मिल्लाह ख़ान का बचपन व बीते क्षण।

असाधारण प्रतिभा की बानग़ी व उनकी हाज़िरजवाबी।

बिस्मिल्लाह ख़ान के दिग्गज बनने तक का सफ़र।

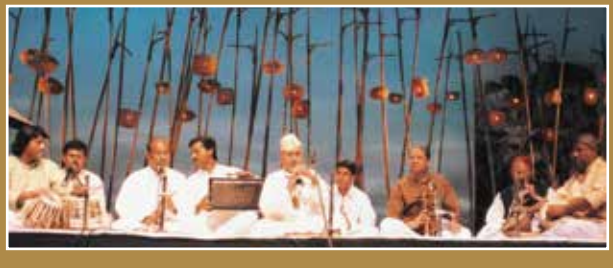

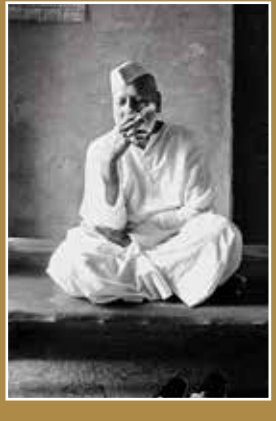

जूही सिन्हा एक फ़िल्म निर्माता–निर्देशक और लेखक हैं। उनका अपना प्रोडक्शन हाउस है। उन्होंने ऐसे कार्यक्रमों को लिखा, बनाया और निर्देशित किया है जो दूरदर्शन और सैटेलाइट चैनलों पर प्रसारित हो चुके हैं और देश के तथा विदेश के फ़िल्म समारोहों में दिखाए जा चुके हैं। भारत के प्रमुख समाचार पत्रों और पत्रिकाओं में लेखन के अतिरिक्त, उन्होंने बच्चों के लिए (स्कॉलैस्टिक इंडिया) के साथ-साथ सामान्य पाठकों के लिए कई लघु कथाएँ भी लिखी हैं, जिन्हें अंतरराष्ट्रीय ख्याति मिली है। वर्ष 2007 में उनकी पुस्तक 'बियॉन्ड डून्स - जर्नीज़ इन राजस्थान' (पेंगुइन इंडिया) से प्रकाशित हुई है।

कानपुर में जन्मे **अक्षय कुमार** ने शिक्षा दीक्षा कानपुर एवं लखनऊ में पूरी की। यह लगभग 30 वर्षों से पत्रकारिता से जुड़े हैं। इतिहास में विशेष रुचि के साथ विभिन्न विषयों पर इनके लेख प्रकाशित होते रहे हैं।